बी.एच.डी.एफ.-101

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
2009-10

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.एफ.-101
हिंदी में आधार पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली - 110 068

हिंदी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम : बी.एच.डी.एफ-101/2009-10

प्रिय छात्र/छात्राओं

जैसा कि हमने "कार्यक्रम दर्शिका" में वताया है कि 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना होगा। इस निर्णय के अनुसार हिंदी में आधार पाठ्यक्रम एफ.एच.डी.01 तथा वी.एच.डी.एफ.-101 का केवल एक सत्रीय कार्य करना हैं। ये सत्रीय कार्य हैं। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। यह सत्रीय कार्य खंड 1 से 4 पर आधारित है।

उद्देश्य : शिक्षक जॉच सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य-सामग्री के कितना समझा है और आप स्वयं उससे अपने शव्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्यक्रम-सामग्री की पुर्नप्रस्तुति से तात्पर्य नहीं हैं वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उस आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा के विभिन्न कौशलों का विकास करना है। ये कौशल हैं : सुनकर समझना, पढ़ना, वोलना और लिखना। इसके लिए भाषा के आधारभूत तत्वों पर अधिकार प्राप्त करना होता है। भाषा सीखने के उद्देश्य यह भी है कि हम उसके माध्यम से विचारों का आदान-प्रदान कर सकें, विविध विषयों को पढ़कर उन्हें समझ सकें और अपने शव्दों में उन्हें व्यक्त कर सकें तथा साहित्य पढ़कर उसका रसास्वादन ले सकें।

सत्रीय कार्य से आप यह जान सकेंगे कि आपको हिंदी भाषा के व्यावहारिक उपयोग में कितनी दक्षता प्राप्त हुई हैं। प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. सत्रीय कार्य का संवंध खंड 1 से 4 तक है। इसमें भिन्न-भिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं जिनका उद्देश्य भाषा के आधारभूत तत्वों पर आपकी लेखन क्षमता जाँचना है। कुछ प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त रूप में देने हैं।
2. इस सत्रीय कार्य में कुछ प्रश्न निवंधात्मक हैं। जिनके उत्तर पठित इकाइयों के आधार पर आपको निर्धारित शव्दों में देने हैं। एक प्रश्न दिये गये अवतरणों के भाव पक्ष की व्याख्या पर आधारित हैं। एक अन्य प्रश्न में आपको दो टिप्पणियाँ लिखनी हैं। सत्रीय कार्य में व्याकरण संवंधी प्रश्न पूछे गए हैं जिनमें गद्यांश को वार्तालाप में रूपांतरित करना, कहावतों और लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग करना आदि विभिन्न प्रश्न पूछे गए हैं। एक प्रश्न सरकारी पत्र लिखने के वारे में हैं। एक अन्य प्रश्न संवाद लेखन के वारे में हैं। एक प्रश्न भाव पल्लवन या संक्षेपण के वारे में हैं। इस प्रकार इन प्रश्नों से जहां एक ओर आपकी साहित्य संवंधी समझ विकसित होगी वहीं दूसरी ओर आप हिंदी भाषा के अपने प्रयोग में भी सुधार ला सकेंगे। उत्तर लिखते हुए भाषागत शुद्धता का विशेष ध्यान रखें।

   उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आप के लिए लाभप्रद रहेगा।

   1. सवसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढिए। फिर इससे संवंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रश्न के संवंध में कुछ खास वातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कर लीजिए।
   2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई वातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक वातों को हटा दीजिए और प्रत्येक विंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। संदर्भ और व्याख्या वाले प्रश्न में यह अवश्य जाँच लें कि संदर्भ में कही वातें दिये गये अंश के अनुरूप हैं। व्याख्या में भी क्रमवद्धता, तार्किकता और स्पष्टता होनी चाहिए। व्याकरण संवंधी प्रश्नों या उन प्रश्नों को जिनके उत्तर एक-दो शव्दों या एक-दो पंक्ति में देने हैं वहाँ अपने उत्तर पर अच्छी तरह से विचार कर लीजिए। अगर आप विना समझे पुस्तक या अन्य किसी स्रोत की सहायता से उत्तर देंगे तो इससे आपको कोई लाभ नहीं होगा और सत्रांत परीक्षा में आप ऐसे प्रश्नों का सही उत्तर नहीं दे पायेंगे। निवंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभ में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग क्रमवद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

      यह सुनिश्चित कर लीजिए कि

      (क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हों,

      (ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के वीच स्पष्ट क्रमवद्धता हो,

      (ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

      (घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शव्दों से अधिक लंवा न हो, और

      (ड.) आपके लेखन में भाषगत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संवंधी गलितयों से वचें।
   3. **प्रस्तुति :** जव आप उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिखा लीजिए। तथा जिन वातों पर आप जोर देना चाहते है, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ

हिंदी का आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य
खंड 1 से 4 पर आधारित

सत्रीय कोडः बीएचडीएफ-101/टीएमए/2009-10
कुल अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

1. नीचे दिए गए वाक्यों में से सही (√) और गलत (×) का चिह्न द्वारा बताइए कि कौन से वाक्य सही हैं कौन से गलत। 5

(क) भाषा के शब्दों को वर्णों के क्रम में लिखना वर्तनी कहलाता है।
(ख) उच्चारण और लेखन की अनुरूपता के कारण हिंदी वैज्ञानिक भाषा मानी जाती है।
(ग) घने जंगल चट्टान और मिट्टी के वोझ से दब जाने से कोयले में वदले गये।
(घ) जीवों का विकास बताता है कि मछली से पूर्व मेंढक रहा होगा।
(ड.) मानव के विकास में लिपि का कोई योगदान नहीं होता।

2. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिएः 5
(क) तत्वाधान (ख) अंत्योष्टि (ग) आर्शीवाद (घ) प्रकृति (ड.) राजपाल

3. (i) नीचे लिखे शब्दों के मेल से वनने वाले शब्द लिखिए। 5
(क) उत्+वेग (ख) उत्+लास
(ग) सत्+आनंद (घ) दिक+अंत
(ड.) जगत्+नाथ

(ii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द वताइये : 5
(क) आकाश (ख) मंद (ग) पराजय (घ) काला (ड़) जीवन

4. (i) निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय वताइएः 5
(क) कवित्व (ख) मानवता (ग) माधुर्य (घ) कार्मिक (ड़) सामान्यीकरण

(ii) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग वताइएः 5
(क) प्रहार (ख) वदनाम (ग) विखंडित (घ) आजीवन (ड़) अनहोनी

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100-100 शब्दों में लिखिएः 10
(क) राष्ट्रभाषा और राजभाषा में क्या अंतर है?
(ख) उपसर्ग और प्रत्यय में अंतर स्पष्ट कीजिए।
(ग) कांग्रेस की स्थापना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।
(घ) लोकतंत्र के दो महत्वपूर्ण मूल्य स्वतंत्रता और समानता की परिभाषा स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर 300 शब्दों में निवंध लिखिए। 10
(क) शिक्षा एक मुलभूत अधिकार (ख) मेरा प्रिय लेखक
(ग) भारतीय लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियाँ (घ) पर्यावरण की रक्षा

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 5
(क) आँख का तारा होना
(ख) आकाश छूना

(ग) ईंट का जवाव पत्थर से देना
(घ) तकदीर चमकना
(ङ) अपने हक में काँटे बोना

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में लिखिए (किन्हीं दो के उत्तर लिखिए) : 10×2 = 20

(क) "वैष्यव की फिसलन" के आधार पर मुनाफाखोरी प्रवृत्ति पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'जूठन' आत्मकथा के आधार पर सामाजिक विषमता पर प्रकाश डालिए।

9. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

चढ़ रही धूप
गर्मियों के दिन
दिवा का तमतमाता रूप
उठी झुलसती हुई लू
रूई जो जलती हुई भू
गर्द चिनगी छा गई
प्रायः हुई दोपहर
वह तोड़ती पत्थर

अथवा

मैं नीर भरी दुःख की वदली
स्पंदन में चिर निस्पंदन वसा
क्रंदन में आहत विश्व हसा
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरिणी मचली !

10 ' निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए: 5×2 = 10

(क) " न जाने कितनी वाकी है, जो किसी तरह चुकने ही नहीं आती। मैं कहती हूँ, तुम क्यों नहीं खेती छोड़ देत? मर-मरकर काम करो उपज हो तो वाकी दे दो, चलो छुट्टी हुई। वाकी चुकाने के लिए ही तो हमारा जन्म हुआ है। पेट के लिए मजूरी करो। ऐसी खेती से वाज आये।"

(ख) "वस यह था वह वातावरण जिसमें वचपन वीता। इस माहौल में यदि वर्ण-व्यवस्था को आदर्श-व्यवस्था कहने वालों को दो-चार दिन रहना पड़ जाए तो उनकी राय वदल जाएगी।

11. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5×2 = 10

(क) अनुवाद की भाषा (ख) समाचार लेखन

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2009 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए : 31 मार्च, 2010
जनवरी 2010 प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए : **30 सितंबर, 2010**

SOH/IGNOU/P.O.35T/May, 2009
Printed at : Raj Printers, A-9, Sector B-2, Tronica City, Loni, Ghaziabad